Adolescent Education Program

Under adolescence programme of kvs following three workshops were organized in KV NO.-3 Amritsar in the session 2021-22

1. Workshop on reproductive organs, health and hygiene of organs, hormonal changes and developments of secondary sexual characters for the classes VIII to XII
2. Workshop on good touch and bad touch was organized in the assembly for all students
3. Theory of relationships at adolescence age due to hormonal changes

बचपन और युवावस्था के बीच की अवस्था को किशोरावस्था कहते हैं । इस अवस्था में बच्चे न तो बच्चों में ही गिने जाते हैं और न ही युवाओं में । **11**से **18** वर्ष की आयु के बच्चे किशोर कहे जाते हैं । इस आयु में विभिन्न शारीरिक व मानसिक परिवर्तन होते हैं जिनके कारण बच्चों के दैनिक जीवन व उनके व्यवहार पर भी प्रभाव पड़ता है । उनके इसी व्यवहार को समझने और उन्हें समझाने के लिए हमारे विद्यालय में आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा **AEP** के अंतर्गत एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गई ।

नाटिका में **7** छात्र- छात्राओं ने भाग लिया । नाटिका के माध्यम से दो परिवारों की पृष्ठभूमि द्वारा यह समझाया गया कि एक बच्चे के व्यवहार में आयु बढ़ने के साथ साथ कैसे परिवर्तन होता जाता है । वह अपने आप को बड़ा समझने लगता है। वह दूसरों से अपने लिए सम्मान चाहता है जबकि स्वयं अनजाने में ही ऐसा व्यवहार करने लगता है जो उसके आसपास के लोगों को अच्छा नहीं लगता।

किशोरावस्था में ये परिवर्तन स्वाभाविक हैं जो लडके और लड़कियों दोनों में ही होते हैं।